StudentBounty.com

SUMMATIVE ASSESSMENT
Class – IX
HINDI
COURSE - B

समय – 3 घंटे **पूर्णांक - 90**

निर्देश - (i) इस प्रश्न चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

1. *निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनिए।* ***1x12=12***

महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि - मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थ-शास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोज़गारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात रही। दक्षिण कोरियावासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण है हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है। वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना मधुर होता है। ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।

(i) महात्मा गांधी किस पर बल देते थे ?

(क) सफाई करने पर (ख) अपने हाथों से अपना सारा काम करने पर
(ग) परिश्रम करने पर (घ) काम से जी चुराने पर

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(ii) ऋषि-मुनियों ने उसे चोर बताया है जो -

(क) बिना श्रम किए भोजन करने पर (ख) कोई पाप करता है

(ग) पाप करके अन्न खाता है (घ) कोई काम नहीं करता है

(iii) 'महात्मा गांधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम-सापेक्ष था' का आशय है -

(क) महात्मा जी के जीवन जीने का तरीका मेहनत करने का नहीं था।

(ख) गांधी जी परिश्रम करना अच्छा मानते थे।

(ग) मानव जीवन के लिए गांधी जी परिश्रम को अनिवार्य मानता थे।

(घ) गांधी जी काम से जी चुराने को उचित मानते थे।

(iv) आज़ाद भारत में गरीबी, बेरोज़गारी तथा अपराधों पर काबू न पा सकने का प्रमुख कारण है - महात्मा जी की नीतियों की हमारे द्वारा -

(क) जानकारी न प्राप्त करना (ख) अवज्ञा और उपेक्षा (ग) प्रतिष्ठा (घ) आलोचना करना

(v) जिस देश के वासियों ने श्रमदान करके श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया वह देश है -

(क) भारत (ख) चीन (ग) जापान (घ) दक्षिण कोरिया

(vi) गांधी जी बिना श्रम के भोजन करने को मानते थे -

(क) सुविधा (ख) सुख (ग) बड़प्पन (घ) पाप

(vii) गांधी जी चाहते थे कि प्रत्येक उपभोक्ता को होना चाहिए -

(क) उत्पादनकर्ता (ख) उपयोगकर्ता (ग) किसान (घ) व्यवसायी

(viii) शिक्षित वर्ग की बेकारी का कारण है -

(क) शिक्षा की कमी (ख) श्रम की उपेक्षा (ग) धन की कमी (घ) शक्तिहीनता

(ix) फल मधुर होता है -

(क) अच्छी खाद देने से (ख) पानी देने से (ग) पसीने से सींचने से (घ) सेवा से

(x) 'प्रत्येक' शब्द में उपसर्ग है -

(क) प्रति (ख) ये (ग) क (घ) एक

(xi) 'शारीरिक' शब्द में प्रत्यय है -

(क) शा (ख) शरीर (ग) क (घ) इक

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(xii) 'श्रमदान' शब्द में समास है -

(क) तत्पुरुष (ख) अव्ययीभाव (ग) द्विगु (घ) द्वंद्व

2.निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए -- 1x8=8

देव ! तुम्हारे कई उपासक कई ढंग से आते हैं।
सेवा में बहुमूल्य भेंट वे कई रंग की लाते हैं।
धूमधाम से साज़बाज़ से मंदिर में आते हैं।
मुक्तमणि बहुमूल्य वस्तुएँ लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं।
मैं हूँ गरीबिनी ऐसी जो कुछ भी साथ नहीं लाई।
फिर भी साहस कर मंदिर में पूजा करने को आई।
धूप-दीप नैवेद्य नहीं है झाँकी श्रृंगार नहीं।
हाय ! गले में पहनाने को पहनाने को फूलों का भी हार नहीं।
नहीं दान है, नहीं दक्षिणा, खाली हाथ चली आई।
पूजा की विधि नहीं जानती फिर भी नाथ चली आई
पूजा और पुजापा प्रभुवर ! इसी पुजारिन को समझो
दान-दक्षिणा और निछावर इसी भिखारिन को समझो
मैं उन्मत प्रेम की प्यासी ह्रदय दिखाने आई हूँ
जो कुछ है, वह यही पास है, इसे चढ़ाने आई हूँ।

(i) उपासक कई ढंग से आते हैं कहने का अभिप्राय है -

(क) उपासकों का खाली हाथ आना (ख) उपासकों का बहुमूल्य भेंट लाना
(ग) उपासकों का रोज़ आना (घ) उपासकों का श्रद्धा सहित आना

(ii) कवयित्री ने क्या साहस किया ?

(क) अछूत होते हुए भी मंदिर में प्रवेश (ख) बीमारी की हालत में मंदिर आना
(ग) बिना भेंट लिए मंदिर में आना (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iii) कवयित्री ने स्वयं को गरीबिनी क्यों कहा ?

(क) उसके पास ईश्वर को भेंट देने के लिए कुछ नहीं
(ख) उसके पास अपना पेट भरने के लिए भोजन नहीं
(ग) उसके पास दान के लिए धन नहीं
(घ) उसके पास दक्षिणा देने के लिए धन नहीं

(iv) कवयित्री प्रभु को भेंट चढ़ाने की कौन-कौन-सी वस्तुएँ नहीं लाई ?

(क) श्रृंगार का सामान (ख) फूलों का हार
(ग) धूप-दीप और नैवेद्य (घ) ये सभी

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(v) कवयित्री भेंट में कौन-सी वस्तु लाई है?

(क) फूल और नैवेद्य (ख) चावल और रोटी

(ग) श्रद्धा-भक्ति से भरा हृदय (घ) नारियल और चुन्नी

(vi) कविता का शीर्षक हो सका है -

(क) भक्त और भगवान (ख) गरीब भक्त (ग) समर्पण (घ) सच्ची प्रार्थना

(vii) 'उपासक' शब्द में उपसर्ग है –

(क) उप (ख) उपास (ग) आसक (घ) क

(viii) 'भिखारिन' शब्द में प्रत्यय है -

(क) भि (ख) भीख (ग) रिन (घ) इन

<u>खंड - ख</u>

3. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए - ***1x2=2***

धार्मिक, सुंदर

(ख) नीचे लिखे शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए - ***½ x 2=1***

कगन, घटा

4. (क) निम्नलिखित शबदों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिन्हों का प्रयोग कीजिए - ***½ x 2=1***

खुशियां, धुंआ

(ख) उचित स्थान पर नुक़्ते का प्रयोग करे हुए दोबारा लिखिए - ***½ x 2=1***

मजबूत, खरबूजा

5. (क) संधि कीजिए - ***1x2=2***

परम + ईश्वर, पुस्तक + आलय

(ख) संधि विच्छेद कीजिए - ***1x2=2***

इत्यादि, महर्षि

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए - ***1x2=2***

प्रतिध्वनि, सुपुत्र

(ख) 'आई' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए - ***½ x 2=1***

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

7. (क) निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त विराम-चिन्ह लगाइए - **2**

अरे आप कब आए राम श्याम और राधा को कहाँ छोड़ आए

(ख). निम्नलिखित विराम-चिन्ह का नाम बताइए – **1**

? **-**

<u>खंड - ग</u>

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) लेखक ने अतिथि का स्वागत किस प्रकार किया ? **2**

(ख) सरकारी नौकरी छोड़ने के पीछे रामन् की क्या भावना थी ? **1**

(ग) चालाक लोग साधारण आदमी की किस अवस्था का लाभ उठाते हैं ? **2**

9 .धर्म के नाम पर अपने स्वार्थ को सिद्ध करने के लिए लोगों को लड़ाना अमानवीय है, अपने विचार प्रकट कीजिए। **5**

10. निम्नलिखित गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **1x5=5**

हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है ? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े यह किसी को भी अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है। किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तकों के गत्तों पर, घरों की दीवारों पर अथवा शरीर पर के कीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बर्तनों के लिए यही रंग पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश - खुश हो जाते है। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लोग कीचड़ की उपेक्षा क्यों करते हैं ?

(ग) प्रायः प्रकृति के किन रूपों का वर्णन किया जाता है ?

(घ) कीचड़ के किस यथार्थ के कारण उससे सहानुभूति नहीं होती ?

(ङ) हम अनजाने में कीचड़ के रंग का कहाँ-कहाँ प्रयोग करते हैं ?

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) सुखिया के पिता पर कौन सा आरोप लगाकर दंडित किया गया ? **1**

(ख) 'माँग मत', 'कर शपथ' और 'लथपथ' शब्दों का बार-बार प्रयोग करके कवि क्या कहना चाहता है ? **2**

(ग) कवि नए बसते इलाके में रास्ता क्यों भूल जाता है ? **2**

12. *कविता 'गीत-अगीत' का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।* **5**

अथवा

कविता 'खुशबू रचते हैं हाथ' का मुख्य उद्देश्य लिखिए।

13. *"कैसी भी कठिन परिस्थिति हो, उसका सामना तात्कालिक सूझ-बूझ और आपी मेल-जोल से किया जाता है।" इस कथन के समर्थन में अपने विचार प्रकट कीजिए।* **5**

अथवा

मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय के लेखक ने अपने पैसों से अपनी पहली पुस्तक कैसे खरीदी थी ?

खंड - घ

14. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए। **5**

(क) अनुशासन -

- अर्थ
- प्रकृति में अनुशासन
- अनुशासन से प्रगति
- अनुशासन से राष्ट्र का विकास

(ख) सत्संगति से लाभ –

- अचूक प्रभाव
- सत्संगति के कुछ उदाहरण
- आंनददायक एवं मार्ग दर्शक
- उपसंहार

(ग) भ्रष्टाचार –

- अर्थ एवं प्रसार
- तरह-तरह के भ्रष्टाचार

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

- नौकरशाही में भ्रष्टाचार
- समाधान

15. अपनी परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए अपने बड़े भाई को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपनी छोटी बहन को उसके जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

16.नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर 20-30 शब्दों में इसका वर्णन कीजिए। 5

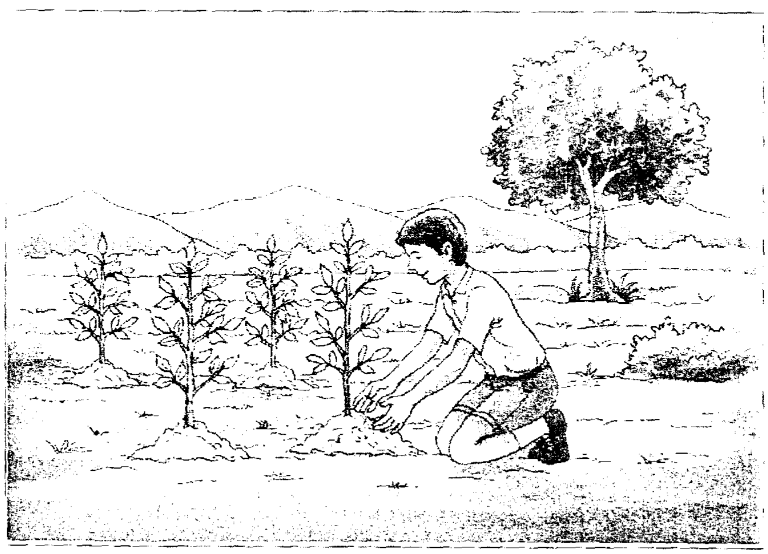

17.फल विक्रेता और ग्राहक के मध्य संवाद 50 शब्दों में लिखिए। 5

18.प्रसिद्ध कंपनी ने सस्ती कीमत के अच्छे पैन तैयार किए हैं। इसके लिए 25-30 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

XXXXXXXXXXXXXXXXX

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers